भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *244

जिसका उत्तर 05 अगस्त, 2021 को दिया जाना है।

.....

मेकेदातू बहु-उद्देश्यीय परियोजना

***244. श्री प्रज्ज्वल रेवन्ना:**

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मेकेदातू बहु-उद्देशीय पेयजल तथा विद्युत परियोजना की वर्तमान स्थिति क्या है जिसमें कर्नाटक के रामनगर जिले में कनकपुरा के नज एक संतुलक जलाशय (बैलेंसिंग रिज़र्वायर) का निर्माण शामिल है;

(ख) इस बांध की रूपरेखा तथा जल भंडारण क्षमता का ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त परियोजना पर कितनी धनराशि के व्यय होने की संभावना है;

(घ) क्या कावेरी नदी पर मेकेदातू बांध के निर्माण हेतु पर्यावरणीय और वन संबंधी मंजूरी प्राप्त कर ली गई है; और

(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा विलंब, यदि कोई हो, तो इसके क्या कारण हैं ?

उत्तर

जल शक्ति मंत्री (श्री गजेंद्र सिंह शेखावत)

(क) से (ड.): विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है।

*****

'मेकेदातू बहु-उद्देश्यीय परियोजना' के संबंध में श्री प्रज्ज्वल रेवन्ना द्वारा पूछे गए 05 अगस्त, 2021 को उत्तर दिए जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *244 के पैरा (क) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): कर्नाटक सरकार द्वारा मेकेदातू बैलेंसिंग जलाशय एवं पेयजल परियोजना की व्यवहार्यता रिपोर्ट (एफआर), परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने हेतु "सैद्धांतिक" मंजूरी प्रदान करने के लिए केन्द्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) को प्रस्तुत की गई थी। केन्द्रीय जल आयोग की अनुवीक्षण समिति ने 24.10.2018 को आयोजित अपनी बैठक में कुछ शर्तों के अध्याधीन परियोजना प्राधिकरण (कर्नाटक सरकार) द्वारा डीपीआर तैयार करने के लिए कतिपय शर्तों के साथ "सैद्धांतिव " मंजूरी दी जिसमें शामिल है कि एफआर में यथा उल्लिखित इस स्कीम का मुख्य उद्देश्य "माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा यथासंशोधित कावेरी जल विवाद ट्रिब्यूनल के अवार्ड (सीडब्ल्यूडीए) को कार्यान्वित करना है, जो एमओडब्ल्यूआर, आरडी एवं जीआर की सलाहकार समिति द्वारा डीपीआर कर विचार करने के लिए एक पूर्व शर्त होगी।"

इसके बाद, मेकेदातू बैलेंसिंग जलाशय एवं पेयजल परियोजना की डीपीआर कर्नाटक सरकार द्वारा जनवरी, 2019 में सीडब्ल्यूसी को प्रस्तुत की गई थी और डीपीआर की प्रतियां कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण (सीडब्ल्यूएमए) को भेजी गई थी। उपर्युक्त परियोजना की डीपीआर के संबंध में विचार-विमर्श को सीडब्ल्यूएमए की विभिन्न बैठकों के दौरान एक कार्यसूची मद के रूप में शामिल किया गया था। तथापि, इस कार्यसूची मद के संबंध में पक्षकार राज्यों के बीच सहमति का अभाव होने के कारण इस मुद्दे पर विचार-विमर्श नहीं हो सका।

(ख): विवरण **अनुलग्नक-I** पर दिए गए हैं।

(ग): कर्नाटक सरकार द्वारा जनवरी, 2019 में सीडब्ल्यूसी को प्रस्तुत मेकेदातू बैलेंसिंग जलाशय एवं पेयजल परियोजना की डीपीआर के अनुसार, इस परियोजना की अनुमानित लागत 9000 करोड़ रूपए (2018-19 मूल्य स्तर) है।

(घ) और (ङ): कावेरी नीरावरी निगम लिमिटेड, कर्नाटक सरकार द्वारा पर्यावरण और वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रस्तुत उपर्युक्त प्रस्ताव पर नदी घाटी तथा हाइड्रोइलेक्ट्रिक परियोजनाओं संबंधी विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी) की 19.07.2019 को हुई 25वीं बैठक के दौरान विचार किया गया था। ईएसी ने अन्य बातों के साथ-साथ यह उल्लेख करते हुए परियोजना को स्थगित कर दिया कि तमिलनाडु राज्य सरकार से अभ्यावेदन प्राप्त हुए थे जिनमें अनुरोध किया गया था कि मौजूदा प्रस्ताव को टीओआर (विचारार्थ विषय) प्रदान न किया जाए। ईएसी का मत था कि इन दोनों राज्यों के बीच एक सौहार्दपूर्ण समाधान किया जाए और उसके बाद टीओआर प्रदान करने के लिए पुनः विचारार्थ प्रस्तुत किया जाए।

ईआईए अधिसूचना, 2006, यथासंशोधित, में किए प्रावधानों के अंतर्गत इस प्रस्ताव को पर्यावरणीय स्वीकृति पर्यावरण तथा वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रदान नहीं की गई है।

मेकेदातु बहुउद्देशीय परियोजना के निर्माण के लिए वन भूमि के वन से इतर प्रयोग के लिए वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के अंतर्गत केन्द्र सरकार का पूर्व अनुमोदन लेने हेतु कोई प्रस्ताव केन्द्र सरकार को प्राप्त नहीं हुआ है।

****

अनुलग्नक-I

'मेकेदातू बहु-उद्देश्यीय परियोजना' के संबंध में श्री प्रज्ज्वल रेवन्ना द्वारा पूछे गए 05 अगस्त, 2021 को उत्तर दिए जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या '244 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

मेकेदातू बैलेंसिंग जलाशय एवं पेयजल परियोज , कर्नाटक की डीपीआर में दिए गए अनुसार परियोजना प्रस्ताव का विवरण (सीडब्ल्यूसी को जनवरी, 2019 में प्रस्तुत)

इस परियोजना में कर्नाटक और तमिलनाडु की अंतर-राज्य सीमा के आ भ प्रतिप्रवाह और कावेरी नदी के साथ अरकावती के संगम के लगभग 2 कि.मी. अनुप्रवाह पर स्थित होने वाले 99.0 मीटर ऊंचाई के कंक्रीट ग्रेविटी बांध का निर्माण परिकल्पित है।

डीपीआर के अनुसार पूर्ण जलाशय स्तर (एफआरएल) पर क्षमता 1901.97 एमसीएम है (67.16 टीएमसी)। बांध की भंडारण क्षमता एफआरएल 440.0 एम और एमडीडीएल* 395.0 एम के बीच 1683.90 एमसीएम (59.46 टीएमसी) है।

इस परियोजना में बंगलुरू महानगर क्षेत्र और इसके निकटवर्ती क्षेत्र में 4.75 टीएमसी की सीमा तक पेयजल आवश्यकता को पूरा करना परिकल्पित है। इसमें मेकेदातु स्थल और बिलीगुंडलू के बीच तल स्तर में उपलब्ध फाल का उपयोग करते हुए 400 एमडब्ल्यू (120 एमडब्ल्यू, प्रत्येक की 3 यूनिटें और 40 एमडब्ल्यू की 1 यूनिट) का विद्युत उत्पादन भी परिकल्पित है।

*एमडीडीएल - न्यूनतम ड्रा डाउन स्तर

****